खबर संक्षेप

ईद मिलादुन्नबी पर 786 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य, 6 नवंबर को भव्य रक्तदान शिविर

धनपुरी। ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर संयुक्त मुस्लिम समाज, जिला शहडोल द्वारा 6 नवंबर को एक महारक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में आयोजित होगा, जिसमें 786 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आयोजकों ने अपील की है कि सभी समाजों के लोग इस पुनीत कार्य में बढ़-चढक़र भाग लें और मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूत करना है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त मिल सके। इस आयोजन के प्रमुख पदाधिकारियों में हाजी नुरुल्ला रंगरेज, मौलाना उबैद, पार्षद शाहिद उर्फ चीनी, नईम अहमद और हुसैन नियाजी शामिल हैं। संयुक्त मुस्लिम समाज ने कहा है कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, और इस अवसर पर हर वर्ग के लोगों को आगे आकर 786 यूनिट रक्तदान के लक्ष्य को सफल बनाना चाहिए। यह शिविर धर्म, मानवता और आपसी एकता का प्रतीक बनेगा।

किराना व्यापारी से लूट

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के जोरा गांव में बीती रात चार बदमाशों ने किराना व्यापारी पर हमला कर नकद 15 हजार रुपये लूट लिए। जानकारी के अनुसार ग्राम जोरा निवासी उमेश कुमार गौतम अपनी दुकान पर बैठे थे, तभी एक बुलेट बाइक में सवार होकर चार युवक पहुंचे और सिगरेट, डिस्पोजल व नमकीन मांगा। जब दुकानदार ने पैसे की मांग की तो बदमाशों ने चाकू निकालकर धमकाना शुरू किया। विरोध करने पर उन्होंने उमेश पर चाकू से हमला कर दिया और मारपीट करते हुए गाली-गलौज की। हमले में दुकानदार के सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आईं। इसके बाद बदमाश दुकान में रखे लगभग 15 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल दुकानदार को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर चारों आरोपियों हैप्पी दुबे, प्रभात पटेल, आशीष साकेत और उदय पांडे के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान हो चुकी है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

श्रीराम चंद्र पथ गमन स्थलों पर मनाया जाएगा देव दीपावली दीपोत्सव

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आगामी 5 नवम्बर को जिले के श्रीराम चंद्र पथ गमन मार्ग से जुड़े पवित्र स्थलों एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर भक्ति, आस्था और हर्षोल्लास के साथ देव दीपावली दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने दीपोत्सव के सफल आयोजन के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार कार्यक्रम के समग्र प्रभारी के रूप में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति को नियुक्त किया गया है, जबकि समन्वय अधिकारी की जिम्मेदारी जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय को दी गई है। रामपथ गमन मंदिर प्रांगण गंधिया एवं सीतामढ़ी के लिए नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री काजोल सिंह और सहायक नोडल अधिकारी के रूप में जनपद पंचायत जयसिंहनगर की सीईओ शिवानी जैन तथा गोहपारू की सीईओ सुधीर कुमार दिनकर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मठिया देवी मंदिर के लिए एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग नोडल अधिकारी होंगी, जबकि सहायक नोडल अधिकारी के रूप में जनपद पंचायत बुढ़ार के सीईओ राजीव लघाटे नियुक्त किए गए हैं। माँ कंकाली मंदिर अंतरा, लखवरिया शिव प्रांगण और सिंहपुर मंदिर के आयोजन हेतु भी एसडीएम अमृता गर्ग नोडल अधिकारी होंगी। जनजातीय लोक कलाकारों की प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समन्वय के लिए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा और उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग सुश्री प्रज्ञा मरावी को दायित्व सौंपा गया है। दीपोत्सव के दौरान दीप प्रज्वलन, रंगोली, भजन एवं भक्तिगीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन ने कार्यक्रमों को भव्य और अनुशासित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक तैयारियाँ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

समय-सुविधा और सोच तीनों में गड़बड़झाला

औचित्यहीन साबित हो रही शहडोल-नागपुर ट्रेन

शहडोल से नागपुर तक सीधी रेल सेवा शुरू होने का सपना भले ही क्षेत्र की जनता ने बड़े उत्साह के साथ देखा हो, पर एक वर्ष बाद यह हकीकत में औचित्यहीन सौगात बनकर रह गई है।

शहडोल।

5 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस (11202) अब वह ट्रेन बन चुकी है, जिसका उपयोग शहडोलवासी खुद कम, जबलपुर जाने वाले यात्री अधिक कर रहे हैं। दरअसल, इस ट्रेन के पीछे मूल भावना थी कि शहडोल संभाग के मरीजों को नागपुर जैसे मेडिकल हब तक पहुंचने की सुविधा मिले। परंतु यह योजना शहडोल को चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की बजाय मरीजों को यहां से भगाने जैसी मानसिकता को दर्शाती है। कई स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि शहडोल को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोडऩे की इतनी ही चिंता थी, तो यहां मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की मांग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी। परंतु नेताओं की सोच यहां समाप्त हो गई कि शहडोल में बेहतर इलाज संभव नहीं, इसलिए मरीजों को नागपुर भेजने की योजना बना ली गई।

समय सारणी बनी 'जनता के लिए सजा'

यह ट्रेन सुबह 5:00 बजे शहडोल से चलती है। इसका अर्थ यह हुआ कि यात्रियों को सुबह 4:30 बजे स्टेशन पहुंचना पड़ता है। अब सोचिए ब्यौहारी, बुढार, धनपुरी, अमलाई, जयसिंहनगर, जैतपुर, जनकपुर, देवलोंद जैसे कस्बों से आने वाले यात्रियों को आधी रात यानी 3:00 बजे ही निकलना पड़ता है ताकि वे समय पर ट्रेन पकड़ सकें। मरीजों और उनके परिजनों के लिए यह किसी यातना से कम नहीं। ट्रेन नागपुर पहुंचते-पहुंचते शाम ढल जाती है और मरीजों को उसी दिन इलाज नहीं मिल पाता। उन्हें वहां रात्रि विश्राम कर अगली सुबह अस्पताल जाना पड़ता है। इलाज के बाद एक और रात रुकना और फिर तीसरे दिन वापस लौटना पड़ता है। अर्थात इलाज के लिए तीन दिन का समय और दोगुना खर्च, इससे बेहतर तो निजी वाहन या बस सेवा साबित हो रही है।

स्टेशन की व्यवस्था भी परेशानी का सबब

ट्रेन की शुरुआत शहडोल से भले ही हुई हो, लेकिन उसका संचालन प्लेटफार्म नंबर 1 से नहीं बल्कि प्लेटफार्म नंबर 4 से किया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि जब यह ट्रेन मुख्यतः मरीजों के लिए मानी गई थी, तो बीमार लोग ऊंची-नीची सीढ़ियां चढक़र प्लेटफार्म नंबर 4 तक कैसे पहुंचेंगे? रेलवे स्टेशन में लिफ्ट और एस्केलेटर की मांग वर्षों से की जा रही है, लेकिन अब तक यह केवल आश्वासन भर है। यहां तक कि ट्रेन को वापसी के समय 15 मिनट के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 पर लाने का भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

ठंडे बस्ते में अनूपपुर-कोतमा तक विस्तार की मांग

अनूपपुर जिले के यात्रियों ने कई बार इस ट्रेन को अनूपपुर या कोतमा बिजुरी से चलाने की मांग की है। कोतमा से विधायक और राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल भी हैं, परंतु उन्होंने इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। राजनेताओं की यह निष्क्रियता जनता की बढ़ती नाराजग़ी का कारण बनती जा रही है।

नेताओं की दूरदर्शिता पर सवाल

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यह ट्रेन राजनीतिक क्रेडिट का माध्यम तो बनी, लेकिन जनता के उपयोग की नहीं। शहडोल को मेडिकल हब बनाने के बजाय यहां के जनप्रतिनिधियों ने सुविधा के नाम पर असुविधा परोस दी। रेल संगठनों से भी उम्मीद थी कि वे प्लेटफार्म की सुविधा और ट्रेन समय में संशोधन के लिए आवाज उठाएंगे, लेकिन यह मांग अब तक अनसुनी है। यह साफ दिखने लगा है कि शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस जनता की नहीं, कागज़ की ट्रेन बनकर रह गई है। टाइमिंग असुविधाजनक, प्लेटफार्म अप्रायोगिक और योजना बिना दूरदर्शिता की। अब वक्त आ गया है कि रेलवे मंत्रालय और स्थानीय सांसद-विधायक इस ट्रेन की समय सारणी और संचालन व्यवस्था पर पुनर्विचार करें, वरना यह सौगात शहडोल के लिए केवल एक असफल प्रयोग बनकर रह जाएगी।

26 हजार प्रतिभागियों में दूसरा स्थान, 32 आईआईटी को दी मात

पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के छात्रों ने रचा इतिहास

शहडोल।

पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और तकनीकी क्षमता का परचम लहराया है। विश्वविद्यालय के ए.आई. क्लब के दो छात्र अनुकल्प द्विवेदी और सौरभ मजही ने देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों को पछाड़ते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 26 हजार छात्रों ने भाग लिया था, जिनमें 32 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के विद्यार्थी भी शामिल थे।

पहला स्थान आईआईटी पटना के छात्रों को मिला, जबकि दूसरा स्थान पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल के छात्रों ने प्राप्त किया। तीसरा स्थान आईआईटी धनबाद के हिस्से में गया। इस उपलब्धि ने न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे विंध्य क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने इस ऐतिहासिक सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि अब शहडोल जैसे अंचल के छात्र भी देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों को टक्कर देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी ने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद दोनों छात्रों को कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों से निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे उद्योग-संस्थान सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। ए.आई. क्लब के समन्वयक ने कहा कि यह सफलता ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की मेहनत, लगन और तकनीकी उत्कृष्टता का परिणाम है।

इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। आईआईटी जैसे संस्थानों को मात देने वाले इन युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। शहडोल के इन छात्रों ने विंध्य क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का नया अध्याय लिख दिया है।

पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग

महिला से 10 लाख की धोखाधड़ी कर फरार हुआ आरोपी

शहडोल।

जिले में एक बार फिर ठगी और छल-कपट का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी अभिषेक रस्तोगी ने एक महिला से विश्वासघात करते हुए न केवल उसकी निजी ज्वेलरी और वाहन हड़प लिया, बल्कि उसे आर्थिक और मानसिक रूप से बर्बाद करने की साजिश रची। पीड़िता रजनी सिंह पति विनोद कुमार सिंह निवासी ग्राम धुनियाडोल, वार्ड क्रमांक 17 थाना बुढ़ार, तहसील गोहपारू ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपी है जिसमें आरोपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रजनी सिंह ने बताया कि आरोपी अभिषेक रस्तोगी ने झूठी बातों में फंसाकर उससे लगभग 10 लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण और 1.25 लाख रुपए नकद लिए। आरोपी ने उन्हें यह कहकर ज्वेलरी और पैसे अपने पास रखवाए कि वह इनकी मदद से कैश लोन दिलवाएगा। इस झांसे में आकर पीड़िता ने अपने निजी वाहन महिंद्रा एक्सयूवी 300 भी उसे उधार दे दिया।

कुछ समय तक भरोसे में रखकर आरोपी ने पीड़िता को गुमराह किया, लेकिन बाद में उसने वाहन और ज्वेलरी लौटाने से इनकार कर दिया। पीड़िता के अनुसार अब आरोपी का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। कई बार संपर्क करने और वाहन वापसी की मांग करने के बावजूद आरोपी ने न केवल रकम हड़प ली बल्कि अब पीड़िता को धमकाने और अपमानित करने का प्रयास कर रहा है।

पीड़िता ने कहा कि आरोपी अभिषेक रस्तोगी आदतन अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसने पहले भी कई लोगों से इसी तरह ठगी की है। उसके भाई और मां के मोबाइल नंबर भी शिकायत में उल्लेखित किए गए हैं, लेकिन पूरे परिवार ने अब संपर्क तोड़ लिया है। रजनी सिंह ने पुलिस अधीक्षक से धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि आरोपी की वजह से वह आर्थिक रूप से तबाह हो चुकी हैं और अब न्याय के लिए प्रशासन से मदद की गुहार लगा रही हैं।

बुढ़ार और ब्यौहारी में फूटा आक्रोश, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

सिंधी समाज की आस्था पर टिप्पणी से बवाल

बुढ़ार/ब्यौहारी।

रायपुर निवासी अमित सिंह बघेल द्वारा सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल जी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शहडोल जिले में जबरदस्त विरोध शुरू हो गया है। रविवार को बुढ़ार और ब्यौहारी दोनों स्थानों पर सिंधी समाज ने एकजुट होकर रैली-जुलूस निकाला और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

बुढ़ार में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दौलत मनमानी और सचिव राजेश आहूजा, गुरमुखदास जगवानी के नेतृत्व में करीब दो सौ से अधिक लोगों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए थाना परिसर तक रैली निकाली। इस दौरान समाज के लोगों ने रायपुर निवासी अमित बघेल के बयान की कड़ी निंदा की। थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि अमित बघेल को रायपुर बुढ़ार बुलाया जाए और स्थानीय थाने में उनके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का प्रकरण दर्ज किया जाए।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 26 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में अमित बघेल ने सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल को पाकिस्तानी सिंधी मन में ओ मछरी वाले भगवान कहकर अपमानित किया है। समाज ने इसे न केवल धार्मिक अस्मिता पर आघात बताया बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला वक्तव्य करार दिया। साथ ही, यह भी कहा गया कि इस तरह के बयान सामाजिक वैमनस्य और धार्मिक उन्माद फैलाने की साजिश हैं।

वहीं ब्यौहारी में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष हरबक्श राय आडवाणी के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधियों ने थाने में पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि सिंधी समाज शांति, भाईचारे और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक समुदाय है, जिसने देश की आजादी की लड़ाई में भी बलिदान दिए हैं। ऐसे में भगवान झूलेलाल पर टिप्पणी समाज की आस्था ही नहीं, बल्कि देश की एकता और संविधान की भावना पर भी चोट है।

समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को चेताया कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो यह विरोध राज्यव्यापी आंदोलन का रूप ले सकता है। रैली शांतिपूर्ण रही, पर आक्रोश गहराता दिखा। समाज ने कहा हम आस्था का अपमान नहीं सहेंगे, दोषी को सज़ा मिलनी ही चाहिए।

अत्यधिक बारिश से फसलें चौपट

किसानों ने कलेक्टर से मांगा मुआवजा और ऋण माफी

शहडोल। जिले के सोहागपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगवां, पटासी, मैकी, श्यामडीह और मर्री के किसानों ने प्राकृतिक आपदा से बर्बाद हुई फसलों को लेकर जिला प्रशासन से राहत की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने कलेक्टर शहडोल को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सर्वे कराकर 100 प्रतिशत नुकसान के आधार पर मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि इस वर्ष लगातार हुई अत्यधिक बारिश के कारण खेतों में जलभराव हो गया, जिससे उड़द, धान, तिल और अन्य खरीफ फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। खेतों में एक-एक फिट तक पानी भरे रहने से बीज सड़ गए और फसलें पेड़ों में ही जम गईं। किसानों ने बताया कि उन्होंने विभिन्न संस्थानों से ऋण लेकर खेती की थी, लेकिन फसल नष्ट होने से अब वे न तो कर्ज चुका पा रहे हैं और न ही परिवार का भरण-पोषण कर पा रहे हैं। ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि वे पूर्ण रूप से कृषि पर निर्भर हैं और फसलों की बर्बादी से उनकी आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। किसानों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि प्रभावित गांवों का तत्काल सर्वे कराया जाए और हुए नुकसान का मुआवजा शीघ्र वितरित किया जाए। साथ ही, किसानों के ऊपर बकाया कृषि ऋण माफ किया जाए ताकि वे दोबारा खेती के योग्य हो सकें। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र राहत नहीं मिली तो वे सामूहिक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के समय शासन-प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित राहत प्रदान करनी चाहिए ताकि अन्नदाता आत्मनिर्भरता की दिशा में फिर से कदम बढ़ा सकें।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश

50 दिन से अधिक लंबित मामलों पर विशेष जोर

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सभी शिकायतों का निराकरण समयसीमा में किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के साथ निपटाया जाए और किसी भी स्थिति में शिकायत अनअटेंडेड न रहे।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का समाधान केवल औपचारिकता न बन जाए, बल्कि गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिल सके। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की प्रत्येक शिकायत की निगरानी वे स्वयं करें और निराकरण का जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से समय पर दर्ज कराएं। डॉ. सिंह ने कहा कि जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां के जिला प्रमुख अधिकारी शत-प्रतिशत शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मैदानी अमले को जिम्मेदारी सौंपकर शिकायतों के समाधान की गति तेज की जाए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को चेताया कि लापरवाही या निम्न गुणवत्ता वाला कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की प्राथमिकता वाला तंत्र है और इसकी साख अधिकारियों के समयबद्ध और प्रभावी कार्य से ही बनी रह सकती है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम जयसिंहनगर काजोल सिंह, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

राष्ट्रगान के साथ की गई शासकीय काम काज की शुरूआत

उमरिया। संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में सोहन चौधरी के नेतृत्व में संगीतमय राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान तथा मध्यप्रदेश गान के साथ शासकीय काम काज की शुरूआत की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनांक्षी इंगले सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कालरी वर्कशॉप में चोरी का प्रयास करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भालूमाड़ा। अवधेश कुमार यादव पिता स्वर्गीय राम संजीवन यादव सुरक्षा प्रहरी कोतमा कालरी भालूमाडा ने 02/11/2025 को थाना उपस्थित आकर रिर्पोट दर्ज कराया कि 30-31/10/2025 को मै अपनी ड्यूटी पर था तभी रात्रि करीब 3 बजे बाउण्ड्री की दिवाल कूद कर 10 चोर घुस आये और वर्कशाप के अन्दर घुस गये और वहाँ रखे लोहा चुराने का प्रयास करने लगे तब मै तथा मेरा साथी मानसाय और देवेनद यादव तीनो पकडने के लिए दौडे तब वे भगने लगे तो मै लाईट के प्रकाश में कुछ चोंरों को पहचान लिया जिसमें भूपेन्द्र पटेल निवासी भालूमाडा, गोलू पटेल निवासी भालूमाडा, शंकर सरदार निवासी भालूमाडा, मंजा निवासी लहसुई कोतमा, सूरज पटेल निवासी भालूमाडा के थे तथा पांच इन्ही के अन्य साथी जो कपड़ा से मुंह बांधे थे। सभी चोर बाउण्ड्री कूद कर भाग गये की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 476/2025 धारा 331(4), 112, 62 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीगणों की पता तलास किया गया। थाना प्रभारी उप निरीक्षक विपुल शुक्ला के कुशल नेतृत्व में भालूमाडा पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए दबिश देकर पांच आरोपी शंकर सिह उर्फ जागीर सिंह पिता बलवीर सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 11, नमो नारायण सिंह पिता हनुमान सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 13, घनश्याम पटेल पिता प्रहलाद पटेल उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 13, अविनाश उर्फ सूरज पिता आत्माराम पटेल उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 12 एवं मो. समसुद्दीन उर्फ मंजा पिता इस्लामुद्दीन उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 15 लहसुई कैम्प कोतमा दस्तयाब हुए जिन्हें गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है तथा अन्य पांच आरोपी फरार हो गए जिनकी शीघ्र गिरफ्तारी हेतु टीम गठित किया गया है।

ठेका और स्थायी श्रमिकों के हित में आंदोलन का ऐलान

जमुना/बदरा। जमुना-कोतमा क्षेत्र में कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) ने प्रबंधन की लचर व्यवस्था और श्रमिकों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाते हुए बहु-सूत्रीय मांगपत्र कंपनी प्रबंधन को सौंपा है। मजदूर सभा ने स्थायी और ठेका दोनों वर्ग के श्रमिकों के हित में व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी है। मजदूर सभा के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि संगठन हमेशा से कामगारों के हक की लड़ाई लड़ता आया है, लेकिन इस बार संघर्ष का दायरा और बड़ा है। स्थायी श्रमिकों के आवासों की साफ-सफाई, खिड़की-दरवाजे की मरम्मत, बिजली-पानी की समस्या, सड़क, वायरिंग, पदोन्नति, मेडिकल बिल और टीए बिल जैसे मुद्दों के साथ-साथ ठेका श्रमिकों के वेतन, बोनस, कोलियरी हॉस्पिटल में इलाज और आवासीय सुविधा की मांगें भी प्रमुख हैं। एचएमएस द्वारा 30 अक्टूबर को प्रस्तुत बहु-सूत्रीय मांगपत्र पर चर्चा के लिए प्रबंधन ने 4 नवंबर की शाम 5 बजे क्षेत्रीय सभागार में बैठक बुलाई है।

प्रदर्शनी में विधायक, कलेक्टर ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

विधायक बांधवगढ़, कलेक्टर ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

उमरिया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तीसरे दिवस कलेक्टर कार्यालय के सामने जिला प्रशासन व्दारा लगाई गई हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह,कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने किया ।
विधायक बांधवगढ़ ने कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी के माध्यम से आम जनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं,योजनाओं के बारे में अवगत कराया जा रहा है ,ताकि आम जन अधिक से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य स्व सहायता समूहो व्दारा निर्मित स्वदेशी वस्तुओ के विक्रय , विभाग व्दारा संचालित योजनाओ का प्रचार प्रसार करना है।शासन व्दारा विभिन्न योजनाओं का संचालन किया गया है।नागरिक प्रदर्शनी तक पहुंचकर योजनाओं को भली भांति समझें और उसका लाभ उठाएं।
प्रदर्शनी में स्वास्थ्य विभाग व्दारा मन क्लीनिक, उमंग क्लीनिक के माध्यम से प्रदाय की जा रही मेंटल हेल्थ, कैरियर,विवाह पूर्व परामर्श, शरीर मे हो रहे परिर्वतन , आयुष विभाग व्दारा आयुर्वेदिक दवाईयां,जन जातीय कार्य विभाग व्दारा पीएम जन मन योजना के तहत सबको पक्का घर,नल से जल,हर घर बिजली,कौशल विकास,दूरस्थ ग्राम तक मोबाइल मेडिकल यूनिट, आदि कर्म योगी,धरती आबा जन भागीदारी अभियान, उद्यानिकी विभाग व्दारा सब्जी एवं नर्सरी, ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूह की महिलाओं व्दारा प्राकृतिक खेती , ब्रम्हास्त्र, जीवामृत, केचुआ खाद, जैविक खाद,मुनगा पाउडर, घन जीवामृत , कृषि विभाग व्दारा मसूर की उन्नत खेती, धान की उन्नत खेती,जैविक खेती के महत्व,चना उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक,उन्नत कृषि कार्य माला चने की वैज्ञानिक तकनीक से खेती, प्राकृतिक खेती,रोजगार विभाग द्वारा कास्मेटिक सामग्री,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग व्दारा जल स्त्रोतो की रक्षा,जीवन की सुरक्षा,जल स्वच्छता समिति को मजबूत बनाना-जन जन तक जल पहुंचाना, गांव का पानी गांव का धन, नियमित पानी की जांच , स्वास्थ्य पर आए न कोई आंच आदि की प्रदर्शनी लगाई गई है ।
इस अवसर पर विधायक बांधवगढ़ ,कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया। इस अवसर पर अधिकारी कर्मचारी सहित सामान्य जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए । जो विभाग डी ग्रेड की श्रेणी में है वे सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें । बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना 2.0 के तहत 180 दिनो से ज्यादा लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त की तथा अनुग्रह सहायता राशि के लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश जनपद सीईओ करकेली,पाली एवं मानपुर को दिए।
समाचार पत्र में प्रकाशित अमरपुर शराब दुकान मामले का निराकरण सीईओ जिला पंचायत एवं आबकारी विभाग को करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरईएस, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाय व्दारा जहां सडक़ बनाई गई है ,उनकी मरम्मत का कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। अतिक्रमण से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों की जांच करने के उपरांत विधिसम्मत कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि वन अधिकार पट्टे के मामलों पर सुनवाई करते हुए उसका निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि सडक़ो पर लग रही सब्जी दुकानों को यथा स्थान पर लगवाया जाए तथा सडक़ों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जाए । अतिक्रमण हटने से आवागमन सुगम हो सकेगा। उन्होंने समस्त एसडीएम से कहा कि कृषि विभाग से समन्वय स्थापित कर अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का सर्वे करें ।

अधिकारियों, कर्मचारियों की लगाई गई ड्युटी

जिला स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क स्थापित

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. भोपाल व्दारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण,2026 (एसआईआर) कार्यक्रम जारी किया गया है,

उमरिया। कार्यक्रम अनुसार 4 नवंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 (एसआईआर) का कार्य संपादित किया जाना है। इन्युमरेशन पीरियड में बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदाता के घर-घर भ्रमण कर प्री-प्रिंटेड इन्युमरेशन फार्म का वितरण किया जाएगा,जिसे मतदाता द्वारा भरकर बीएलओ को वापस करना होगा। इन्युमरेशन फार्म में मतदाता को वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में उनका नाम अथवा उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी के नाम विवरण दर्ज करने की आवश्यकता पड़ेगी।अन्य राज्यों से जिले में आने वाले मतदाताओं के लिए भी यह विवरण दर्ज करना आवश्यक रहेगा।
कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार आम मतदाताओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर एसआईआर वर्ष 2026 के संबंध में जानकारी देने, इन्युमरेशन फार्म को भरने में सहायता करने,वर्ष 2003 की नामावली में उनका अथवा उनके परिजनों के नाम का विवरण ढूंढने में उनके सहयोग करने हेतु कार्यालय कलेक्टर जिला उमरिया भू-तल के कक्ष क्रमांक-25 में जिला स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क स्थापित किया जाकर उसके संचालन हेतु निम्नानुसार अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।
विधानसभा क्षेत्र 89 एवं 90 मानपुर के लिए स्थापित जिला स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क के लिए प्रबंधक लोक सेवा गारंटी शुभांगी मित्तल को नोडल अधिकारी बनया गया है। इसके साथ ही 89 बांधवगढ़ के लिए नायब तहसीलदार भू अभिलेख, डाटा इंट्री आपरेटर, सहायक प्रध्यापक शासकीय महाविद्यालय उमरिया, तथा 90 मानपुर के लिए सहायक प्रध्यापक शासकीय महाविद्यालय उमरिया तथा डाटा इंट्री आपरेटर सर्व शिक्षा अभियान की ड्युटी लगाई गई है । हेल्प डेस्क का प्रमुख उद्देश्य निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 एसआईआर अथवा इन्युमरेशन फार्म के संबंध में कठिनाई लेकर जिला कार्यालय आने वाले अधिक से अधिक मतदाताओं को सहायता उपलब्ध कराना है। हेल्प डेस्क जिले की विधासभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से भी संपर्क में रहकर कार्य करेगा तथा जिले में स्थापित किए जाने वाले अन्य हेल्प डेस्क से भी समन्वय करेगा। अधिकारी/कर्मचारी 4 नवंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित स्थान में उपस्थित होकर जिला निर्वाचन अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में कार्य संपादित करना सुनिश्चित करेंगें।

सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों का शाल श्रीफल से किया गया सम्मान

उमरिया। शासन के निर्देशानुसार सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों को सेवा निवृत्त होने के बाद पीपीओ प्रदान करते हुए कलेक्टर सभागार में शाल श्रीफल से कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने सम्मानित किया । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि शासकीय सेवा में आने के पश्चात सेवा निवृत्त होना शासकीय प्रक्रिया है। सेवा निवृत्ति के पश्चात सभी समाज से जुड़ें,अपने घर के दायित्वों का निर्वहन करे। उन्होंने पीपीओ पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की । उन्होने कहा कि आप अपना मार्गदर्शन आगे भी देते रहें। आपके मार्गदर्शन एवं अनुभवों का लाभ मिलने पर उमरिया जिला शिखर पर पहुंच सकेगा । कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए सुखदा सोनी,प्रिंसपाल तिवारी, संतोष कुमार सिंह, हरीलाल कोल, संतोष कुमार व्दिवेदी, संध्या शुक्ला, रघुवीर सिंह मरावी,जनपद सिंह, ललन सिंह मार्को,जयंतीका मिश्रा, दीपक कुमार व्दिवेदी ,चौन सिंह मार्को,रमेश कुमार शुक्ला, लच्छू प्रसाद बैगा, विनोद कुमार तथा सुरेश प्रसाद द्विवेदी का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।जिला पेंशन अधिकारी अखिलेश पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सहायक पेंशन अधिकारी सत्यवती प्रजापति,विश्वजीत पुसाम,सतेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।

शीतकालीन फुटबॉल प्रतियोगिता का समापनः पुरस्कृत हुये विजेता व उपविजेता

राजेन्द्रग्राम। समदर्शी सेवा न्याय फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की राज इकाई मध्य प्रदेश के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बघेल एवं उपाध्यक्ष रविंद्र प्रताप सिंह सहायक सचिव रामकुमार आईटीआई में मीडिया प्रभारी अजय जायसवाल युवा संयोजक अमित सिंह परियोजना प्रभारी नीरज चौधरी के संरक्षण में शीतकालीन फुटबॉल प्रतियोगिता समापन किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर पुष्पराजगढ़ एवं द्वितीय स्थान पर पयारी की टीम प्राप्त की। इन दोनों टीम को प्रथम स्थान वाले को 21000 एवं द्वितीय स्थान वाले को 11000 का नगद पुरस्कार दिया गया।

चचाई पावर प्लांट में ठेका श्रमिक को किया जा रहा मानसिक रूप से प्रताड़ित

विभागीय अधिकारियों को दुख बताने के बाद भी नही पसीजा दिल

हरिभूमि न्यूज चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में अधिकारियों एवं ठेकेदारों द्वारा वर्षों से ठेका श्रमिकों को प्रताड़ित किया जाता रहा है किंतु बेरोजगारी की मार झेल रहे श्रमिक आवाज नहीं उठा पा रहे आवाज उठाने वाले श्रमिकों को तत्काल प्लांट के बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है एक कटु सत्य इस प्लांट में यह भी है कि कई श्रम संगठन बने हैं लेकिन वे केवल अपना उल्लू सीधा करते हैं उन्हें श्रमिकों की परेशानी से कोई मतलब नहीं होता। इसी तरह का एक मामला ताप विद्युत गृह में देखने में आया जानकारी अनुसार ताप विद्युत गृह के इंस्टूमेंट विभाग (आईएनसी) में विगत 7 वर्षों से ठेका श्रमिक के रूप में कार्यरत शंकर प्रताप सिंह जो निष्ठा ईमानदारी वह उत्तरदायित्व से अपनी सेवाएं दे रहा था जिस पर कभी भी कोई शिकायत या अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं हुई हाल ही में विराट इंटरप्राइजेज नामक नई ठेका कंपनी द्वारा कार्य संचालित किया गया जिसने बिना किसी पूर्व सूचना अथवा लिखित कारण बताए श्रमिक को कार्य से निकालकर अन्यायपूर्ण एवं श्रम कानून के विरुद्ध कार्य किया गया। श्रमिक ने बताया कि विगत माह छोटे भाई के विवाह इस समय उनके दादी का निधन हो जाने के कारण 30 दिनों तक कम पर नहीं आया और दुर्भाग्यवश अपने संबंधित अधिकारियों को सूचना भी नहीं दे पाया कार्य से हटाने के बाद श्रमिक अपनी आपबीती संबंधित विभागीय अधिकारियों को बताया जिन्होंने बात को अनसुना कर दिया ।

अनुचित कार्य व पैसों की मांग

श्रमिक ने संबंधित अधिकारियों को बताया कि ठेकेदार कुछ अधिकारियों की मिली भगत से ठेका श्रमिकों से अनुचित कार्य जैसे ड्यूटी टाइम में घरों में मजदूरी करवाया जाता है मुझे भी घर पर कार्य करने को कहा गया किंतु मैंने मना कर दिया इन्हीं सब वजहों से मुझे कार्य से निकाल दिया गया श्रमिक ने यह भी आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा मजदूरी में से अवैध रूप से पैसा काटा जाता है इसके लिए बाकायदा एक आदमी के द्वारा फोन पर अवैध वसूली कराई जाती है श्रमिक जब तक पैसा देता रहा सब ठीक था जब पैसा देना बंद किया तो उसे कार्य से निकलने का षड्यंत्र रचा जाने लगा। नियम यह कहता है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 धारा25 ए स्थाई श्रमिक को सेवा समाप्ति से पूर्व एक माह की अग्रिम सूचना या वेतन अनिवार्य है धारा 25 जी निष्पक्षता वरिष्ठता एवं कारणों के साथ ही हटाना वैध है कॉन्ट्रैक्ट लेबर (रेगुलेशन एंड एबोलिशन) एक्ट 1970 ठेका श्रमिकों से निजी कार्य करवाना एवं वेतन कटौती करना पूर्णतः गैरकानूनी है भारतीय दंड संहिता की धारा 384 एवं 406 अवैध वसूली और विश्वासघात की श्रेणी में आता है।

श्रमिक ने की मांग

श्रमिक ने संबंधित विभाग को लिखित पत्र दे अपनी सेवा को बहाल कर पूर्ववत कार्यस्थल पर लगाया जाए साथ ही संबंधित ठेकेदार एवं अधिकारियों की निष्पक्ष जांच कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की समस्त ठेका श्रमिकों के हितों की सुरक्षा हेतु नियमित निरीक्षण मानदेय पारदर्शिता तथा शोषण की रोकथाम हेतु सख्त दिशा निर्देश दिए जाएं साथ ही सूचना अनुसार श्रम विभाग व स्थानीय निगरानी समिति को अवगत करा कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। श्रमिक अपने परिवार का एकमात्र सहारा है रोजगार छिनने से वह गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है पारिवारिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है जिस पर सहानुभूति पूर्ण विचार किया जाना चाहिए। घर की खराब होती स्थिति को देखते हुए श्रमिक ने श्रम विभाग कलेक्टर अनूपपुर जनसुनवाई एवं मुख्य अभियंता को लिखित आवेदन दे रोजगार दिलाने की आस में महीनों से भटक रहा किंतु अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर कार्यवाही शून्य है।

दुकानों मे हो रहा घरेलू सिलेण्डरों का उपयोग

जिम्मेदार विभाग जानकर भी बना अंजान

हरिभूमि न्यूज, कोतमा। कोयलांचल क्षेत्र में कार्यवाही न होने की वजह से मिलावट एवं घरेलू उपयोग के लिए घरेलू गैस सिलेंडर का खुलेआम होटल ढाबा एवं ठेलों में उपयोग किया जा रहा है। जिले में व्हाइट रिफलिंग का कारोबार जोरों पर है प्रशासन से लेकर खाद आपूर्ति विभाग की नाक के नीचे घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे गैस सिलेंडरों में गैस भरने का काम जारी है। इतना ही नहीं घरेलू गैस सिलेंडर का धड़ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है जो कभी भी किसी बड़े खतरे का कारण बन सकता है। इससे राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नगर से लेकर कोयलांचल एवं ग्रामीण इलाके में अधिकतर होटल मिठाई व चाय की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडर का खुले आम इस्तेमाल हो रहा है। बावजूद इसके ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही। दूसरी ओर नियम यह है कि इस तरह के प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस की वजाय कामर्शियल सिलेंडरों का उपयोग किया जा सकता है। कई सालों से घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक कामों में धड़ले से उपयोग हो रहा है। इन सिलेंडरों पर सब्सिडी जारी होने के बावजूद उनके व्यावसायिक उपयोग पर प्रतिबंध नहीं लग पाया है।

कई होटल संचालकों ने व्यावसायिक गैस के कनेक्शन ले रखे हैं। वहां उनकी खपत हर महीने चार से पांच सिलेंडर की है मगर वह व्यावसायिक सिलेंडर की बजाय घरेलू सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि कुछ होटल और चाय की दुकान चलाने वालों ने व्यावसायिक सिलेंडर के कनेक्शन लिए हुए हैं मगर यह भी बड़े सिलेंडरों की बजाय घरेलू गैस सिलेंडरों का प्रयोग कर रहे हैं। यहां दुकानदार भी उपयोग के वक्त सिलेंडरों को छुपा कर रखते हैं सिलेंडर में बोरी या लाल कपड़ा ढक देते हैं ताकि कोई देख ना सके। नगर में ऐसे बड़े मिष्ठान की दुकान एवं रेस्टोरेंट मे भी घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग खुले आम किया जा रहा है ऐसे में सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अपने फायदे के फेर में चला रहे अवैध कारोबार

अवैध रिफलिंग का धंधा गैस चूल्हे व स्पेयर पार्ट्स बेचने वाली दुकान पर होता है। ऐसे दुकानदारों को गैस एजेंसी से 14.2 किलोग्राम का एक गैस सिलेंडर प्राप्त होता है। जबकि खाली गैस में प्रति किलोग्राम गैस भरने के 130 से 160 रुपए वसूले जा रहे हैं। इससे रिपेयरिंग वालों को 1250 से 1650 रुपए तक मुनाफा होता है। बताया जाता है कि यह सब जागरूकता के अभाव में हो रहा है। इसको रोकने के लिए सरकार 5 किलोग्राम वजन वाले सिलेंडर की व्यवस्था की है जो आसानी से सभी गैस एजेंसी में उपलब्ध है। बावजूद लोग कनेक्शन लेने की बजाय बाजार से गैस खरीद लेते हैं।

नहीं किया जा रहा जागरूक

गैस भरवाने वाले ग्राहकों को यह पता नहीं होता है कि गैस कितनी भरी गई है जबकि गैस एजेंसी में 5 किलोग्राम का गैस सिलेंडर निर्धारित रुपए की धरोहर राशि देकर प्राप्त हो सकता है। इसके पीछे जागरूक करने के लिए प्रशासन या खाद्य आपूर्ति विभाग ने कोई अभियान नहीं चलाया। एजेंसियों ने अपने स्तर पर प्रयास किया लेकिन वह कारगर नहीं हुआ। गैस का छोटे दुकानदारों को अवैध रिफलिंग के जरिए आसानी से मन मुताबिक गैस मिल जाती है। इसी का नतीजा है की दुकानों पर घरेलू गैस सिलेंडर देखे जा सकते हैं। नगर में ऐसे कई होटल है जिनमें अवैध रूप से घरेलू सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा है। यदि किसी होटल में सिलेंडर फटता है तो बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। इतना ही नहीं पोर्टेबल जैसेट कई वाहनों में अवैध गैस से चल रहे हैं । जिस पर खाद विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है। लिहाजा अवैध रूप से बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस रिपेयरिंग की जाती है और इन लोगों के हौसले बुलंद हैं।

खबर संक्षेप

बफर की बीट पिटौर से हटाया गया अतिक्रमण

उमरिया। उप वनमंडलाधिकारी पनपथा ने बताया कि वन परिक्षेत्र पनपथा बफर की बीट पिटौर के कक्ष क्रमांक पी एफ-623 में आरोपी दशरथ साहू निवासी पड़वार द्वारा ट्रैक्टर से जुताई की जाने की सूचना प्राप्त होने पर गठित टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण के प्रयास को विफल करते हुए 2.5 हेक्टेयर वन भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराकर ट्रैक्टर को जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रकरण में में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। जप्त ट्रैक्टर की अनुमानित कीमत चार लाख रूपये है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यवाही सतत रूप से जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान , परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर एवं कोर तथा स्टाफ उपस्थित रहा।

830 ग्राम गांजा जप्त, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुए 830 ग्राम गांजा जप्त किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम विछिया जरवहना टोला अतरिया निवासी धनपत उर्फ मचुआ चौधरी अपने मकान के परछी में अवैध रूप से गांजा छिपाकर बिक्री करता है। सूचना पर थाना प्रभारी जे.पी. शर्मा के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर एनडीपीएस एक्ट के तहत तलाशी ली। तलाशी के दौरान 830 ग्राम गांजा जिसकी कीमत लगभग 8,000 रुपये आंकी गई है, बरामद किया गया। आरोपी धनपत उर्फ मचुआ चौधरी (57 वर्ष) पिता श्यामलाल चौधरी निवासी जरवहना टोला अतरिया, थाना अमलाई को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्यवाही में उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार शुक्ल, सउनि अजमेर सिंह, सउनि शिवनारायण प्रजापति, प्रआर रतन सिंह, प्रआर गणेश पाण्डेय एवं आरक्षक विकेश कुमार की सराहनीय भूमिका रही। अमलाई पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने की दिशा में एक सख्त कदम माना जा रहा है।

11 हजार दीपों से जगमगाएगा भगवान श्रीराम का दीपोत्सव

शहडोल। देव दीपावली के पावन अवसर पर 5 नवंबर को श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम **गंधिया (सीतामढ़ी) स्थित श्रीराम पथ गमन स्थल पर भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान 11,000 दीपों से भगवान श्रीराम और माता सीता की आराधना की जाएगी, जिससे पूरा सीतामढ़ी क्षेत्र अलौकिक प्रकाश से जगमगा उठेगा। इस अवसर पर पंडितों द्वारा महाआरती संपन्न की जाएगी और वातावरण भक्ति संगीत से गुंजायमान रहेगा। आध्यात्मिक माहौल को और भव्य बनाने के लिए उमरिया जिले की सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री बबली यादव एवं उनके साथी कलाकार भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। श्रद्धालु दीप आराधना और भजन संध्या में शामिल होकर प्रभु श्रीराम एवं माता सीता के प्रति अपनी आस्था प्रकट करेंगे।श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एन.पी. नामदेव ने बताया कि यह आयोजन प्रभु श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का एक प्रेरक माध्यम बनेगा।

बांटें गए प्रमाण पत्र, पुरस्कृत हुए प्रतिभागी

धूमधाम से मनाया गया मध्य प्रदेश स्थापना दिवस

जनपद के अंतर्गत मध्य प्रदेश स्थापना दिवस का विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम 2 नवंबर को नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 9 विनायक पैलेस में संपन्न हुआ

ब्यौहारी।

इस अवसर पर स्कूल की छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए सरसी हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा स्तुति वर्मा द्वारा जैविक खेती पर नाटिका प्रस्तुत की गई,फ्लौरेंस स्कूल, सांदीपनि स्कूल द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए महिला बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी अनुमति प्रमाण पत्र दिए गए कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया समस्त प्रतिभागियों को व्यापारी संघ के द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया विधायक द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को 5000 विकास निधि से देने की घोषणा कीकार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक शरद कोल रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का दिल है और हमारे मध्य प्रदेश की विशेषता है 1 नवंबर 1956 को मध्य प्रदेश की स्थापना हुई थी हर एक क्षेत्र की अपनी पहचान होती है व्यवहारी की भी एक पहचान होनी चाहिए हम सबको मिलजुल कर अपने क्षेत्र को बढ़ाना है उन्होंने क्षेत्र वासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दिया कार्यक्रम का संचालन रवि द्विवेदी ने कियाकार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रभा मिश्रा अध्यक्ष जिला पंचायत, भागीरथी लहरे एसडीएम ,ऋषभ छारी डीएसपी मुकेश अविंद्रा एसडीओपी, शुभम पांडेय एसडीओ पीडब्ल्यूडी,डा डी के परासर,शरद गौतम मुख्य नगर पालिका अधिकारी,कल्पना यादव सीईओ, अभिषेक तिवारी एस ए डीओ,तहसीलदार , कृष्ण गुप्ता राजन नगर परिषद अध्यक्ष आकांछी सिंह जनपद अध्यक्ष, सुशीला सिंह अध्यक्ष ,पुष्पेंद्र पटेल,विनय गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता अध्यक्ष व्यापारी संघ, नीरज गुप्ता, दुर्गेश तिवारी, रोशनी गौतम परियोजना अधिकारी,ब्रह्मानंद श्रीवास्तव, मनोज कुमार केशरी, विक्रमादित्य गुप्ता, नीता साहू, उदयभान सिंह पेंड्रो, भानू पटेल बीएसी, चन्द्र भान गुप्ता सीएसी, राजेश पाठक, ब्रिजेन्द्र मोर्या पटवारी, सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी, भाजपा कांग्रेस के नेता एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे ।

एटीएम से रकम उड़ने के मामले में बैंक प्रबंधन का लापरवाह रवैया

पुलिस के पत्र को भी हवा में उड़ाया, 14 महीने बाद भी नहीं मिली एटीएम फुटेज

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

कोयलांचल क्षेत्र के कोतमा कॉलरी स्थित भारतीय स्टेट बैंक यस बी आई शाखा में हुए संदिग्ध एटीएम लेनदेन मामले ने अब गंभीर रूप ले लिया है। खाताधारक दादन प्रसाद पिता स्वर्गीय रामचंद्र उम्र 67 वर्ष निवासी अमन चौक कोतमा कॉलरी ने कोतमा एटीएम से हुई धोखाधड़ी की शिकायत कोतमा पुलिस थाने में दर्ज कराई थी।

एटीएम मशीन पर बेहोश हुए बुजुर्ग खाताधारक

24 जुलाई 2024 को दादन प्रसाद अपने यस बी आई खाते से 2000 रूपए निकालने के लिए कोतमा बस स्टैंड के सामने लगे एटीएम में गए थे। इसी दौरान एटीएम के अंदर खड़े दो संदिग्ध युवक उनके पीछे आ गए और किसी नशीले पदार्थ का छिड़काव या धक्का देने के बाद बुजुर्ग खाताधारक कुछ क्षण के लिए बेहोश हो गए। उसी दौरान संदिग्ध युवकों ने एटीएम कार्ड बदलकर उनका असली कार्ड लेकर भाग निकले। कुछ ही देर बाद दादन प्रसाद के मोबाइल पर लगातार पैसे निकासी के मैसेज आने लगे, जिससे वे घबरा गए।

बैंक कर्मचारी की बेरुखी

घबराए खाताधारक ने तुरंत भारतीय स्टेट बैंक शाखा कोतमा कॉलरी के एक कर्मचारी को फोन किया और खाते से हो रहे संदिग्ध लेनदेन की जानकारी दी। उन्होंने बैंक से आग्रह किया कि खाते पर तत्काल होल्ड लगाया जाए ताकि आगे की निकासी रोकी जा सके, लेकिन बैंक कर्मचारी ने कहा अगर आपको खाते पर होल्ड लगवाना है, तो खुद बैंक आकर आवेदन देना होगा। इस जवाब से हैरान सेवानिवृत्त कालरी कर्मचारी दादन प्रसाद ने तुरंत बैंक का रुख किया, लेकिन वहां भी उन्हें सिर्फ दूसरे शाखा कोतमा कॉलरी शाखा में जाकर आवेदन देने की सलाह दी गई।

जब तक पहुँचे बैंक, खाली हो चुका खाता

बैंक की प्रक्रियात्मक देरी और अनदेखी के कारण जब तक पीड़ित व्यक्ति शाखा पहुँचा, उसके खाते से कुल 1,14,580 की राशि अलग-अलग एटीएम मशीनों से निकाल ली गई थी। एटीएम से 2000, 5000, 10000, 74580 और अन्य राशियाँ क्रमवार डेबिट हो गईं, जबकि खाताधारक उसी समय बैंक और पुलिस को मदद के लिए पुकार रहा था। पीड़ित की शिकायत को कोतमा पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल भारतीय स्टेट बैंक शाखा कोतमा कॉलरी को पत्र भेजा। पत्र में बैंक से घटना से संबंधित एटीएम मशीन की 2 से 3 फुटेज उपलब्ध कराने को कहा गया ताकि जांच आगे बढ़ाई जा सके।

मेहनत की कमाई भी सुरक्षित नहीं रही

सेवानिवृत्ति कालरी कर्मचारी दादन प्रसाद का कहना है हम आम लोग हैं, मेहनत की कमाई बैंक में रखते हैं सुरक्षा के लिए, लेकिन जब बैंक ही जिम्मेदारी से पीछे हटे तो भरोसा किस पर करें? पुलिस को हमने सभी कागजात दिए हैं, लेकिन बैंक फुटेज देने में टालमटोल कर रहा है। कोतमा थाना प्रभारी रत्नाबर शुक्ल ने बताया कि शिकायत पर कार्यवाही जारी है। बैंक प्रबंधन को कई बार पत्र भेजा गया हैं। यदि आवश्यक हुआ तो पूरे मामले की रिपोर्ट बैंक के उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी ,, पुलिस का पूरा प्रयास है खाताधारक के साथ हुई ठगी के मामले को उजागर करना और पीड़ित को न्याय दिलाना और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करना, जैसे ही बैंक हमें एटीएम मशीन की फुटेज देता है आरोपियों की पहचान कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस के बार-बार कहने पर भी नहीं दिए फुटेज

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बैंक प्रबंधन को कई बार पत्र और अनुस्मारक भेजे गए, लेकिन अब तक बैंक प्रबंधक ने एटीएम फुटेज पुलिस को नहीं सौंपे। इससे यह प्रतीत होता है कि बैंक प्रबंधक या तो मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है, या फिर जानबूझकर जांच को प्रभावित कर रहा है। बैंक की इस गंभीर लापरवाही के कारण न तो अपराधी की पहचान हो पा रही है, और न ही पीड़ित खाताधारक को अब तक न्याय मिल पाया है।

न्याय से वंचित खाताधारक

एसबीआई कोतमा शाखा की यह लापरवाही न केवल बैंक की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि आम नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा पर भी खतरे की घंटी है। पुलिस की तत्परता के बावजूद यदि बैंक सहयोग नहीं करेगा, तो ऐसे मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाना और कठिन हो जाएगा। क्या यह बी आई कोतमा कालरी शाखा अपने खाताधारकों की सुरक्षा को लेकर सच में गंभीर है या फिर पीड़ित सेवानिवृत्ति कालरी कर्मचारी दादन प्रसाद जैसे नागरिकों को न्याय के लिए और लंबा इंतज़ार करना पड़ेगा। यह मामला केवल एक खाताधारक का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की चिंता का विषय है जो बैंकिंग व्यवस्था पर भरोसा करता है। अगर बैंक और पुलिस के बीच समन्वय की कमी बनी रही, तो साइबर ठगी और एटीएम धोखाधड़ी के मामलों में न्याय पाना असंभव हो जाएगा।

260 गुम मोबाइल धारकों को मिले अपने फोन पुलिस अधीक्षक ने दिलाई सडक़ सुरक्षा की शपथ

शहडोल।

जिले की सायबर सेल और समस्त थाना प्रभारियों की सक्रिय कार्यवाही से 260 गुमशुदा मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को वापस किए गए। पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देशन पर सायबर सेल द्वारा इन मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। रविवार को पुलिस अधीक्षक ने स्वयं आवेदकों को उनके मोबाइल फोन लौटाए और उन्हें सडक़ सुरक्षा की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित नागरिकों से कहा कि सडक़ दुर्घटना के दौरान घायल व्यक्तियों की तत्काल मदद करना हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने लोगों को 112 या 108 नंबर पर तत्काल सूचना देने और पीड़ितों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाने का संकल्प दिलाया।

मोबाइल बरामदगी अभियान में सायबर सेल टीम के साथ विभिन्न थानों के अधिकारियों ने सराहनीय योगदान दिया। इस कार्यवाही में थाना कोतवाली के आरक्षक रौनक पवार, थाना सोहागपुर की वैशाली व्यास, थाना सिंहपुर के चित्रकांत कुशराम, थाना गोहपारू के अमृतलाल यादव, थाना बुढ़ार के राजकुमार मरावी, थाना खैरहा के सतीश कुमार चौरसिया, थाना अमलाई के कृष्ण कुमार उर्वेती, थाना धनपुरी के सतवंत गौतम, थाना जैतपुर के जाहिद खान, थाना ब्यौहारी के नरेन्द्र सिंह, थाना जयसिंहनगर के उदय सिंह, थाना देवलोंद के राजबिहारी पटेल, थाना पपौंध के पुष्पेंद्र सिंह एवं थाना सिंह के शिवकुमार मरकाम की विशेष भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने मोबाइल फोन सुरक्षित रखें और गुम होने पर तत्काल निकटतम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि ट्रेस किए गए मोबाइल आवेदकों को संबंधित थानों से थाना प्रभारी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल न केवल जनविश्वास को मजबूत करने वाली है, बल्कि पुलिस-जन सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

किसानों के सम्मान में कांग्रेस मैदान में, भारी वर्षा से हुई फसलों को क्षति, सौंपा ज्ञापन

बुढार।

किसानों की समस्याओं और फसलों की क्षति को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बुढार के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेसजनों, मंडलम एवं सेक्टर अध्यक्षों तथा बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति में बुढार तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया।

कांग्रेस ने ज्ञापन में भारी वर्षा से हुई फसल क्षति का तत्काल सर्वे कर किसानों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की मांग भी की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है और उनके हितों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसी क्रम में नगर परिषद बकहो में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ आगामी 17 नवम्बर 2025 से नेताप्रतिपक्ष बकहो द्वारा शुरू किए जाने वाले अनिश्चितकालीन आमरण अनशन की जानकारी भी तहसील प्रशासन को दी गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भ्रष्टाचार और किसानों की उपेक्षा पर अब चुप नहीं बैठा जाएगा। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में कांग्रेस के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं किसान बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ब्यौहारी में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर भव्य समारोह

जनजातीय संस्कृति की झलक से सजी शाम

शहडोल।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर ब्यौहारी मुख्यालय के विनायक पैलेस में सोमवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जनजातीय संस्कृति और विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आयोजन में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कलाकार और नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शरद जुगलाल कोल रहे, जबकि अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा ने की। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष आकांक्षी सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीकृष्ण गुप्ता, नगर परिषद खाड़ अध्यक्ष सुशीला सिंह, एसडीएम भागीरथी लहरे, जनपद सीईओ कल्पना यादव, उपाध्यक्ष चंद्रकली पटेल, जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश तिवारी और पुष्पेंद्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन, मध्यप्रदेश गान और माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों और जनजातीय कलाकारों ने गोंडी, सैला और अन्य लोकनृत्य प्रस्तुत कर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत कर दिया। विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और नाट्य मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

मुख्य अतिथि विधायक शरद कोल ने अपने उद्बोधन में कहा कि विकास और संस्कृति ही मध्यप्रदेश की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। एसडीएम भागीरथी लहरे ने कहा कि जनजातीय संस्कृति हमारी अस्मिता है और उसका संरक्षण ही प्रदेश की वास्तविक पहचान को मजबूत करता है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और कलाकारों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में उत्साह और सांस्कृतिक गर्व का अद्भुत संगम देखने को मिला।

अपहृत नाबालिग को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

शहडोल।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व एसडीओपी धनपुरी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत धनपुरी पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। इस कार्रवाई से न केवल परिवार में अपार खुशी का माहौल बना बल्कि क्षेत्रीय नागरिकों ने भी धनपुरी पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की प्रशंसा की है।

जानकारी के अनुसार थाना धनपुरी में धारा 137(2) के तहत दर्ज प्रकरण में अपहृत बालिका की तलाश में पुलिस टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई थी। लगातार प्रयासों और सूझबूझ के चलते पुलिस ने जिला मंझौली से बालिका को बरामद कर 01 नवम्बर 2025 को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उसके परिजनों को सौंप दिया। इस महत्वपूर्ण सफलता में थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पैंत, सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक रामनाथ बांधव और महिला आरक्षक प्रिया अग्रवाल की अहम भूमिका रही। टीम के सदस्यों ने मामले मे संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक शहडोल ने पूरी टीम को बधाई दी है और कहा है कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत बाल सुरक्षा और महिला सुरक्षा के लिए इसी तरह त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई जारी रहेगी। धनपुरी क्षेत्र में इस सफलता के बाद नागरिकों ने भी स्थानीय पुलिस की सतर्कता, परिश्रम और मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की है। यह उपलब्धि पुलिस और समाज के बीच विश्वास के पुल को और मजबूत करने का कार्य करेगी।

खबर संक्षेप

शारदा प्रसाद शर्मा श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिला विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत वाजपेयी, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी की अनुमति एवं राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रजत गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे की स्वीकृति तथा प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी राजेश शुक्ला एवं प्रदेश सह सचिव कमलेश मिश्रा की अनुशंसा पर प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक ने श्रमजीवी पत्रकार परिषद अनूपपुर इकाई में वरिष्ठ पत्रकार एवं एडवोकेट शारदा प्रसाद शर्मा को जिला विधि प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जायेगी। इनकी नियुक्ति पर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

मिला अज्ञात विक्षिप्त युवक का शव

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र

नगरी अमरकंटक के नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 स्थित गणेश धूना आश्रम, मंदिर के समीप आज प्रातःकाल लगभग 35 से 40 वर्ष के एक अज्ञात विक्षिप्त नवयुवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृत युवक बीते कुछ दिनों से अमरकंटक नगर में इधर-उधर घूमता देखा जा रहा था। बताया जाता है कि वह किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। उसके हाथ-पैर में सूजन रहती थी और वह हमेशा शाल ओढ़े रहता था। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि युवक लीवर या किडनी संबंधी बीमारी से ग्रसित रहा होगा, जिससे उसकी हालत दिनों दिन बिगड़ती चली गई। गणेश धूना आश्रम मंदिर परिसर में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है, फिर भी युवक की बिगड़ती स्थिति पर किसी का ध्यान नहीं गया। क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते उसे अस्पताल पहुंचाया गया होता तो संभवतः उसकी जान बचाई जा सकती थी। ऐसा अनुमान है कि युवक की मृत्यु दो दिन पूर्व ही हो चुकी थी। आज सुबह आश्रम के पास युवक को मृत अवस्था में देखकर किसी श्रद्धालु ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस थाना अमरकंटक को दी।

अमरकंटक में पर्यावरणीय संकट की ओर धकेल रही साल बोरर कीट बीमारी

पर्यावरणीय संतुलन पर खतरा, पर्यावरणविदों ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। माँ नर्मदा की पवित्र उद्गम स्थली अमरकंटक एक बार फिर गंभीर पर्यावरणीय संकट की ओर बढ़ती दिख रही है। सघन वनों से आच्छादित इस क्षेत्र में साल बोरर नामक कीट रोग का प्रकोप तेजी से फैल रहा है, जिसके कारण हजारों साल वृक्ष सूखकर गिरने लगे हैं। यह स्थिति न केवल वनों के लिए, बल्कि पूरे अमरकंटक के पारिस्थितिक संतुलन के लिए खतरे की घंटी मानी जा रही है।

क्या है साल बोरर की बीमारी

वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, साल बोरर एक प्रकार का वुड बोरिंग बीटल (लकड़ी भेदक कीट) होता है जो साल वृक्ष के तनों में छेद कर उनमें अंडे देता है। कुछ ही समय में यह कीट वृक्ष की आंतरिक परत को नष्ट कर देता है, जिससे उसमें से बुरादा (पाउडर जैसा कण) निकलने लगता है। यह संकेत है कि वृक्ष अंदर से खोखला हो चुका है। प्रभावित साल वृक्ष कुछ ही सप्ताहों में सूखकर गिर जाता है, और बीमारी तेजी से आसपास के वृक्षों में फैल जाती है। ज्ञात हो कि अमरकंटक क्षेत्र में साल वृक्षों का विस्तार लाखों की संख्या में फैला हुआ है। यह वृक्ष न केवल क्षेत्र की हरियाली और सौंदर्य का प्रतीक हैं, बल्कि स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। साल वृक्षों की पत्तियाँ और छाया वायुमंडल में नमी बनाए रखती हैं, मिट्टी को कटाव से बचाती हैं, और वर्षा के जल को धरातल में समाहित कर भूजल स्तर को बढ़ाने में सहायक होती हैं। पर्यावरणविदों के अनुसार, साल वृक्षों के कारण अमरकंटक की जलवायु सामान्यतः शीतल और संतुलित रहती है। यहाँ की यही हरियाली नर्मदा, सोन और जोहिला जैसी नदियों के उद्गम स्त्रोतों की जीवनरेखा बनी हुई है।

अतीत का भयावह अनुभव

करीब 18-20 वर्ष पूर्व भी अमरकंटक और उसके आसपास के क्षेत्रों में साल बोरर रोग का भारी प्रकोप देखा गया था। उस समय वन विभाग को लाखों संक्रमित साल वृक्षों को काटना पड़ा था ताकि संक्रमण आगे न फैले। परिणामस्वरूप क्षेत्र

का पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ गया, नमी घट गई और कई स्थानों पर छोटे-छोटे जलस्रोत सूखने लगे थे। अब वही स्थिति फिर से सिर उठाती दिखाई दे रही है।

संत समाज की चिंता और अपील

शांति कुटी आश्रम के प्रमुख एवं संत मंडल अमरकंटक के अध्यक्ष रामभूषण दास जी महाराज ने इस विषय पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान अमरकंटक एवं उससे सटे वन क्षेत्रों कपिलधारा मार्ग, कबीर चबूतरा क्षेत्र, खुरखुरी और मैकल पर्वत श्रृंखला के हिस्सों में कृ हजारों की संख्या में सूखते साल वृक्ष देखे हैं। स्वामी जी ने कहा कि "यह केवल एक वन रोग नहीं, बल्कि अमरकंटक के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। यदि समय रहते वन विभाग और जिला प्रशासन ने रोकथाम के उपाय नहीं किए, तो आने वाले वर्षों में अमरकंटक की पहचान 'हरित तीर्थ' से 'सूखा क्षेत्र' में बदल सकती है। साल वृक्षों का नाश यहाँ की नदियों, जलस्त्रोतों और पर्यावरणीय संतुलन को सीधा प्रभावित करेगा।" उन्होंने बताया कि इस विषय में वे कलेक्टर हर्षल पंचोली से मिल चुके हैं और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी समस्या से अवगत कराया गया है।

कार्रवाई की आवश्यकता

विशेषज्ञों का कहना है कि साल बोरर का संक्रमण रोकने के लिए त्वरित फ्यूमिगेशन, फील्ड मॉनिटरिंग, और कीट नियंत्रण हेतु जैविक उपायों की आवश्यकता है। संक्रमित वृक्षों की समय पर पहचान और हटाने के साथ-साथ नए पौधारोपण की वैज्ञानिक योजना बनाना भी अत्यावश्यक है। स्थानीय नागरिकों ने भी जिला प्रशासन से अपील की है कि अमरकंटक के साल वनों की रक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि इस प्राकृतिक धरोहर को बचाया जा सके। अमरकंटक केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की जल और पर्यावरणीय धरोहर का जीवंत प्रतीक है। यहाँ के साल वृक्ष इस पवित्र भूमि की हरियाली और नमी के रक्षक हैं। यदि इन पर आई यह बीमारी नहीं रोकी गई, तो यह न केवल अमरकंटक बल्कि सम्पूर्ण मध्य भारत के पारिस्थितिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

आरोपी के परिजनों ने पुलिस पर लगाये अभद्रता के आरोप

पुलिस अधीक्षक ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भालूमाडा पुलिस पर चोरी के आरोपी के परिजनों ने अभद्रता का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि पुलिस ने आरोपी की तलाश में घर गई टीम ने महिला सदस्यों से बदतमीजी की। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, भालूमाडा पुलिस चोरी के आरोपी भूपेंद्र पटेल को पकड़ने उसके घर गई थी। आरोपी के घर पर न मिलने पर पुलिस ने उसके भाई कामता पटेल की पत्नी से भूपेंद्र के संबंध में पूछताछ की। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों ने महिला से अभद्र भाषा का प्रयोग किया और बदतमीजी की। इस घटना के विरोध में परिजनों ने भालूमाडा थाना परिसर में धरना प्रदर्शन किया। वे दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। वहीं, पुलिस टीम का कहना है कि उन्होंने घर के बाहर से ही आरोपी के बारे में पूछताछ की थी। भालूमाडा थाना प्रभारी विपुल शुक्ला ने बताया कि 30 अक्टूबर को भालूमाडा कॉलोनी के वर्कशॉप में 8 से 10 चोरों ने लोहा चोरी किया था। सभी चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। चार से पांच नामजद आरोपियों के घरों पर पूछताछ के लिए पुलिस टीम गई थी। शुक्ला ने आरोप लगाया कि परिजन पुलिस पर दबाव बना रहे हैं ताकि आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई न हो, और इसी कारण वे पुलिस पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान ने पुष्टि की कि आरोपी के परिजनों ने एक ज्ञापन सौंपा है, ज्ञापन की जांच की जा रही है।

अमरकंटक डाकघर के बंद रेलवे रिजर्वेशन काउंटर ने बढ़ाई तीर्थयात्रियों की टेंशन

कम लेनदेन के कारण डाक विभाग ने लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के उप डाकघर में संचालित रेलवे रिजर्वेशन काउंटर को अब स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। डाकघर परिसर से संबंधित बैनर और बोर्ड भी हटा दिए गए हैं। इस निर्णय से स्थानीय नागरिकों, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को अब रेलवे आरक्षण के लिए पेंड्रा रोड या अनूपपुर तक जाना पड़ेगा। इससे यात्रियों को न केवल अतिरिक्त समय और खर्च वहन करना होगा, बल्कि टिकट बुकिंग के लिए लंबी कतारों में लगना और समय से पहले पहुँचना भी आवश्यक होगा। अब तक अमरकंटक डाकघर में रेलवे आरक्षण सुविधा के माध्यम से स्थानीय लोग और तीर्थयात्री आसानी से टिकट बुक करा लेते थे, परंतु वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश के बाद यह सेवा

बंद कर दी गई है। अमरकंटक उप डाकघर के डाकपाल महेश सिंह परस्ते ने बताया कि वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त आदेश के अनुसार डाकघर में रेलवे आरक्षण सुविधा तत्काल प्रभाव से बंद की गई है। यह विभागीय आदेश है, इसमें हमारा कोई व्यक्तिगत निर्णय नहीं है। गौरतलब है कि अमरकंटक में रेलवे आरक्षण केंद्र का शुभारंभ तत्कालीन शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती राजेश नंदिनी सिंह के विशेष प्रयासों से हुआ था। उन्होंने तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए तत्कालीन रेल मंत्री से इस केंद्र की स्वीकृति दिलवाई थी, परंतु अब इस सुविधा के बंद होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी और निराशा का माहौल है। लोगों का कहना है कि इससे उन्हें टिकट बुकिंग के लिए बाहर भटकना पड़ेगा और संभवतः दलालों के माध्यम से आरक्षण कराने की मजबूरी बढ़ेगी, जिससे अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ेगी। स्थानीय नागरिकों का यह भी कहना है कि अमरकंटक के रेलवे रिजर्वेशन सिस्टम में पहले से तकनीकी समस्याएँ आती रही हैं, जिनके निराकरण के लिए समय-समय पर समाचार पत्रों के माध्यम से आवाज उठाई जाती रही है। अमरकंटक के गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने इस विषय पर शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह से तत्काल हस्तक्षेप की माँग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि पवित्र नगरी अमरकंटक का रेलवे आरक्षण कार्यालय पुनः पूर्ववत संचालित किया जाए। सभी जनों ने एकस्वर में कहा कि पर्यटकों, तीर्थयात्रियों, दर्शनार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों की होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएँ। सरकार जहाँ जनता को अधिक से अधिक सुविधाएँ देने के प्रयास कर रही है, वहीं अधिकारियों के इस तुगलकी फरमान से उप डाकघर का रेलवे आरक्षण केंद्र बंद किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

पांच दिनों तक चलेगा न्यायोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल महोदया के निर्देशानुसार 9 से 14 नवंबर तक न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह 2025 के आयोजन किया जाना है। इसका उद्देश्य विधिक जागरूकता को बढ़ावा देना, विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी का प्रचार-प्रसार करना और समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गो के लिए न्याय तक पहुँच सुनिश्चत करना है। इस समारोह मे 09 नवंबर को विधिक जागरूकता प्रदर्शनी एवं मैराथन दौड़ के माध्यम से न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया जावेगा। दिनांक 10 नवंबर को जिला जेला अनूपपुर में पैरालीगल वालेंटियर एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहयोग से बंदियों को उनके अधिकारों के संबंध में जानकारी एवं मामलों की प्रगति से अवगत कराया जावेगा। 11 नवंबर को स्थाननीय विद्यालय एवं महाविद्यालयों में में निंबंध, चित्रकला, नुक्कड नाटक, एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा। 12 नवबंर को श्रमिक एवं ग्रामीण बस्तियों में पैरालीगल वालेटियर्स के द्वारो विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जावेगा। 13 नवबंर को बाल संस्थाओं मे देखरेख निरीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जावेगा। 14 नवबंर को बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन एवं विधिक सेवा सप्ताह का समापन जिला न्यायालय परिसर अनूपपुर में अभ्यर्थियों को पुरूस्कार एवं प्रशस्तीपत्र का वितरण कर किया जावेगा।

परोड़ के जंगल में खुलेआम जुए का संचालन

युवा पीढ़ी बर्बादी की राह पर, प्रशासन अब भी मौन

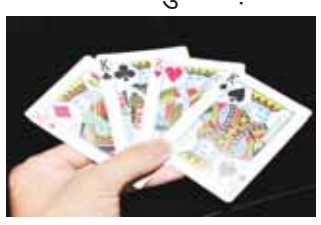

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। जमुना कॉलोनी के समीप स्थित परोड़ लतार के जंगलों में इन दिनों लाखों रुपए का अवैध जुआ खुलेआम संचालित हो रहा है। बताया जाता है कि इस जुए का संचालन किसी फनूवा द्वारा किया जा रहा है, जिसने जंगल के भीतरी हिस्सों में गुप्त ठिकाने बनाकर जुए का फड़ जमा रखा है। हर दिन यहां लाखों रुपए का दांव खेला जाता है, और आसपास के कई युवा इस जुए की गिरफ्त में आकर अपनी ज़िंदगी तबाह कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, फनूवा और उसके साथी जंगल की बाहरी सीमाओं पर निगरानी तंत्र बनाकर रखते हैं कृ एक-एक किलोमीटर की दूरी पर चौकसी में उनके लोग तैनात रहते हैं ताकि किसी अनजान व्यक्ति या पुलिस की गतिविधि की खबर पहले ही मिल जाए। यह नेटवर्क इतना संगठित है कि बाहरी व्यक्ति का वहां पहुंच पाना लगभग असंभव हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि फनूवा का नाम पहले भी कई संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा रहा है, लेकिन अब तक उस पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। प्रशासन की यह चुप्पी लोगों में सवाल खड़े कर रही है। इस जुए की वजह से कई परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं, वहीं युवाओं की पढ़ाई और रोजगार पर भी इसका गहरा असर पड़ रहा है। कुछ वर्ष पूर्व जमुना-कालरी निवासी मुन्ना रजक ने जुए में भारी नुकसान उठाने के बाद अपने छह परिजनों सहित आत्महत्या कर ली थी। उस दर्दनाक घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था, परंतु जुआ माफियाओं के हौसले आज भी बुलंद हैं।

उठ रहे सवाल

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने थाना प्रभारी विपुल शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि परोड़ लतार के जंगल में चल रहे इस अवैध जुए के अड्डे को खत्म किया जा सके और संचालक फनूवा समेत पूरे गिरोह पर कठोर कार्रवाई हो। पूर्व सरपंच उमाकांत सिंह ऊईके ने बताया कि उन्होंने स्वयं पुलिस को फोन कर जुए की जानकारी दी, लेकिन सूचना मिलते ही सभी जुआरी वहां से भाग निकले। प्रश्न यह है कि पुलिस के पहुंचने से पहले उन्हें खबर किसने दी। यदि अब भी प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाया, तो परोड़ का यह जुआ अड्डा जिले की युवा पीढ़ी के आत्मविनाश का केंद्र बन जाएगा।

ब्लैक स्पॉट्स के परिशोधन के लिये तत्परता से करें कार्यवाही : कलेक्टर

बैठक में लिए गए निर्णय व निर्देशों का गंभीरता से पालन के निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन तथा प्रगति के संबंध में निर्माण एजेंसी से जुड़े विभागीय अधिकारी एवं यातायात प्रभारी से जानकारी प्राप्त की। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के परिशोधन के लिये तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय तथा दिए गए निर्देशों का गंभीरता के आधार पर पालन करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये सभी आवश्यक प्रबंध तत्परता से किये जायें। ब्लेक स्पॉट्स के परिशोधन को प्राथमिकता दें। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अमरकंटक एक प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक नगरी है, जहाँ देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। अतः अमरकंटक मार्ग का समुचित विकास एवं व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किरर घाट एवं अमरकंटक के पूर्व घाट की सड़क व्यवस्था सुधार हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया गया है। साथ ही किरर घाट से भुण्डाकोना मार्ग की मरम्मतीकरण के निर्देश दिए। अमरकंटक मार्ग के प्रत्येक मोड़ पर रिफ्लेक्टर लगाए जाने तथा पहाड़ी क्षेत्र में आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में कलेक्टर ने राजेंद्र ग्राम स्थित सड़क को चौड़ा करने एवं बीच में डिवाइडर निर्माण के संबंध में आवश्यक चर्चा की तथा इस कार्य हेतु स्वीकृति प्राप्त करने के लिए विभाग को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी निर्माण विभागों के अधिकारियों को सड़क मेंटेनेंस शेड्यूल तैयार करने तथा निर्धारित अंतराल पर सड़क मरम्मत कार्य नियमित रूप से संपादित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने निगवानी रोड, बंधवा टोला रोड, पसला रोड हाईवे, बेलिया छोटदूबिजुरी रोड, बदरा तिराहा, शुक्ला ढाबा, केशवाही चौराहा, डोंगरिया तिराहा, तुलरा चौराहा सहित विभिन्न ब्लैक स्पॉट्स पर लाइटिंग, रंबल स्ट्रिप, रेडियम पट्टी, रोड मार्किंग तथा स्पीड ब्रेकर आदि की व्यवस्था 15 दिवस के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

एक माह अतिक्रमण के विरुद्ध चलाएं विशेष अभियान

बैठक में पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने कहा कि निर्माण एजेंसी से जुड़े अधिकारी एवं यातायात पुलिस समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करें। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉट्स पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएँ, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक ने यातायात प्रभारी को निर्देशित किया कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाए तथा नियमों के पालन को सुनिश्चित किया जाए, जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम प्रभावी रूप से की जा सके। बैठक में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार एवं यातायात प्रभारी को संयुक्त रूप से निर्देशित किया कि अनूपपुर नगर में आगामी 30 दिवस तक अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के विरुद्ध सतत कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन मार्ग, शंकर मंदिर चौराहा, इंदिरा तिराहा सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर अभियान चलाया जाए। साथ ही, नगरीय एवं हाईवे मार्गों पर स्थित विद्यालयों के सामने स्पीड ब्रेकर निर्माण के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई तथा उनके संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सड़क नहीं तो विकास नहीं, उम्मीदों और अधूरे सपनों का रास्ता कोतमा-भालूमाड़ा सड़क की कोई नहीं ले रहा सुध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल द्वारा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को भेजी गई चिट्ठी में कटनी से मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ सीमा (सीमा रामनगर डोला) तक एनएच-43 को दो लेन से चार लेन में अपग्रेड करने की मांग की गई है। पत्र के सार्वजनिक होते ही लोगों में सवाल उठने लगे हैं कि जब मंत्री जी ने इस मार्ग को क्षेत्र की जीवनरेखा बताया है, तो क्या भालूमाड़ा कोतमा मार्ग इस जीवनरेखा का हिस्सा नहीं? दारसागर केवई पुल से लेकर कोतमा मुख्य मार्ग तक सड़क की हालत बदहाल है। जहां कभी कोयला खदानों की रौनक थी, अब वहां गड्ढों का जाल, धूल, अतिक्रमण और हादसों का सन्नाटा पसरा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क पर कहीं डामर है, तो कहीं सिर्फ गड्ढा भारी वाहनों के बोझ से हर मोड़ पर हादसे इंतजार करते हैं। यह वही मार्ग है जो भालूमाड़ा, दार सागर खूंटा टोला और कोतमा जैसे गांवों और कस्बों को जोड़ता है। जहां स्कूली बच्चों के अलावा हजारों श्रमिक और युवा हर दिन इसी रास्ते से रोजी-रोटी की तलाश में निकलते हैं। पर सड़क ऐसे टूटी है जैसे विकास की रफ्तार को किसी ने जानबूझकर रोक दिया हो। जानकारी के अनुसार, भालूमाड़ा कोतमा मार्ग (मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम) से टू-लेन परियोजना

के रूप में स्वीकृत थी, लेकिन कुछ निजी स्वार्थों और स्थानीय दबावों के चलते यह योजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई। आज यह मार्ग न तो विभागीय प्राथमिकता में है, न किसी मंत्री की घोषणाओं में और यही कारण है कि इस मार्ग की हर गाड़ी "झटकों के साथ उम्मीदें भी ढोती है।" केंद्रीय मंत्री को भेजे गए पत्र में जहां कटनी से सीमा रामनगर (डोला) तक के उन्नयन की बात कही गई, वहीं भालूमाड़ा कोतमा मार्ग का नाम तक नहीं लिया गया। अब जनता पूछ रही है "क्या मंत्री, विधायक, सांसद प्रशासनिक अधिकारी कोतमा और भालूमाड़ा के लोगों को भूल गए हैं, या यहां के मतदाता अब गिनती में नहीं आते?" क्षेत्र के व्यापारी, छात्र, मजदूर, किसान और युवा अब एक सुर में कह रहे हैं हम सड़क नहीं मांग रहे, हम हक़ मांग रहे हैं। सड़क बनेगी तो व्यापार बढ़ेगा, रोजगार मिलेगा और जीवन आसान होगा। यह सड़क सिर्फ सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि इसे चौड़ीकरण कर जोड़ा जाए तो कोतमा भालूमाड़ा खूंटा टोला होते हुए पेंड्रा बिलासपुर तक आवागमन तेज़, व्यापार सुगम और औद्योगिक अवसरों में गुणात्मक वृद्धि होगी। स्थानीय युवा यहां छोटे-छोटे परिवहन, निर्माण और व्यापारिक स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।